हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 15 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 20 अगस्त से 26 अगस्त 2021

अंजुमन-ए-नजमी, कांदिवली के देशभक्त - दाऊदी बोहरा

मुंबई. **हुब्बुल वतन मीनल इमान पैगंबर मोहम्मद साहब (S.A.W)** की एक पवित्र शिक्षा जिसका अर्थ है अपनी मातृभूमि से प्यार करना विश्वास का एक हिस्सा है, दाऊदी बोहराओं के आध्यात्मिक नेता **डॉ. सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब (टी.यू. एस)** के ऊपर के गुण ने हमेशा समुदाय को अपने शहर और देश के प्रति देशभक्त होने का उपदेश दिया है। स्वतंत्रता दिवस पर कांदिवली दाऊदी बोहरा जमात द्वारा आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में उपरोक्त शिक्षाएं और सिद्धांत स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहे थे। इस वर्ष हमारी 75वीं स्वतंत्रत दिवस उस समय के साथ हुई है,जब मुसलीम **समुदाय पैगंबर** के पोते **इमाम हुसैन (ए.ए.स)** की शहादत और बलिदान का शोक मना रहा है. पूरा समुदाय हमारे देश की शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना कर रहा है। कांदिवली बोहरा जमात के **प्रधान शेख मोइज भाई वजीही** और **कांदिवली पुलिस वरिष्ठ निरीक्षक श्री बाबासाहेब सालुंके** के हाथों से झंडा फहराया गया । **श्री मुस्तफा वाई गोम, जमात** के सचिव के साथ **जमात के लोग** और **कांदिवली पुलिस टीम** इस मौके पर उपस्थित थे.

सैफी एम्बुलेंस स्काउट द्वारा पारंपरिक सलामी और राष्ट्रगान बजाया गया, इस साल के **75वा स्वतंत्रत दिवस** के अवसर पर सभी मनुष्यों का जन्मसिद्ध अधिकार है, करीब दो सौ साल की गुलामी के बाद ,1947 में जब भारत आजाद हुआ था, उस दौरान कई स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान की आहुति दी थी. इन्ही वीरो की याद करते हुए हम स्वतंत्रत दिवस मनाते हैं. पूरे कार्यक्रम का आयोजन स्वच्छता और सामाजिक दूरी के दिशानिर्देशों को सख्ती से बनाए रखने के साथ किया गया था। उन्होने कहा **स्वतंत्रत दिवस** एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो हमारे दिलों को गर्व और खुशी से भर देता है,उन्होंने यह भी कहा, परम पावन **डॉ. सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब (टी.यू. एस) हुब्बुल वतन** जो देश के लिए देशभक्त की शिक्षाएं हमेशा अपने बोहरा समाज को देते रहते हैं.

कांदिवली जमात हमेशा देश भक्त और ऐसे कई कार्यक्रम करने के लिए उत्सुक रहती हैं, इस लिए यह साल भी शुभ और गम **पाख महिना मुहर्रम** के दौरान कांदिवली मुंबई के दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों ने मस्जिद परिसर में भारत का **75वां स्वतंत्रत दिवस** मनाया था.

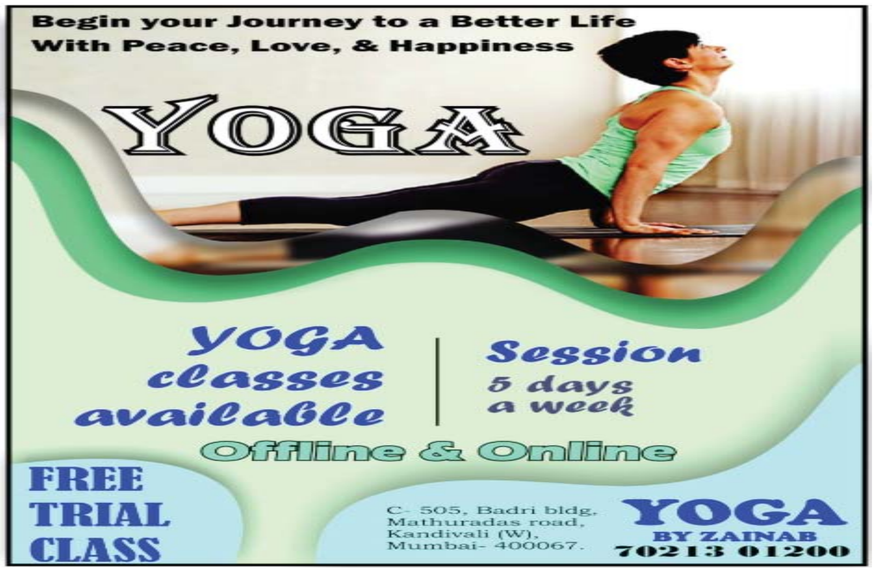

अश्लील फिल्में बनाने के मामले में राज कुंद्रा को मुंबई हाइकोर्ट ने दी अंतरिम राहत

मुंबई। अश्लील फिल्में बनाने के ही एक पुराने मामले में कारोबारी राज कुंद्रा को मुंबई उच्च न्यायालय ने अंतरिम राहत दे दी है। कोर्ट 25 अगस्त तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। जबकिअश्लील फिल्में बनाने के ही एक अन्य मामले में कुंद्रा 19 जुलाई से न्यायिक हिरासत में हैं।अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को एक माह पहले 19 जुलाई को अश्लील फिल्में बनाने एवं उन्हें इंटरनेट के विभिन्न माध्यमों पर अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वह तभी से जेल में हैं। इससे पहले अक्तूबर 2020 में भी उनके खिलाफ अश्लील फिल्में बनाने के कारोबार से ही जुड़ा एक और मामला मुंबई पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच ने दर्ज किया था। इस एफआईआर में राज कुंद्रा पर वेब सीरीज के एक हिस्से के रूप में आनलाइन प्लेटफार्म पर अश्लील वीडियो डालने का आरोप है। इस मामले में राज के साथ अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा, माडल पूनम पांडे एवं गहना वशिष्ठ आदि भी आरोपित हैं। इन सभी को अग्रिम राहत मिल चुकी है। राज कुंद्रा के वकील प्रशांत पाटिल ने इसी आधार पर कुंद्रा के लिए अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई थी। उनका कहना था कि राज कुंद्रा पर लगाए गए आरोप सात साल से कम कारावास वाले दंडनीय हैं। इसलिए उन्हें गिरफ्तारी से राहत दी जा सकती है। जबकि अतिरिक्त लोक अभियोजक प्राजक्ता शिंदे का कहना था कि इस मामले में राज कुंद्रा की भूमिका अग्रिम जमानत पाए लोगों से अलग रही है। इसलिए उन्हें समानता के आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती। एकल पीठ के न्यायाधीश संदीप शिंदे ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद राज कुंद्रा की गिरफ्तारी पर 25 अगस्त तक रोक लगा दी है। कोर्ट उसी दिन कुंद्रा की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करेगी।

IMD ने जारी किया मुंबई में भारी बारिश का अलर्ट, मध्य महाराष्ट्र और विदर्भ के लिए यलो अलर्ट जारी

मुंबई। भारतीय मौसम विभाग ने मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई इलाकों में आज मूसलाधार बारिश होने अलर्ट जारी किया है. मध्य महाराष्ट्र और विदर्भ में ज्यादा बारिश की चेतावनी दी गई है. इसके अलावा विदर्भ, मराठवाड़ा समेत मध्य महाराष्ट्र में कल से ही बारिश शुरू हो चुकी है. मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, औरंगाबाद, धुले, नंदुरबार, जलगांव, जालना, बुलढाणा, वाशिम, वर्धा और चंद्रपुर जिले के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है. पिछले कई दिनों से महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश दर्ज की जा रही है. वेदर डॉट कॉम के मौसम विज्ञानियों के मुताबिक महाराष्ट्र के विदर्भ-और आसपास के क्षेत्रों में गरज के साथ बारिश होने का अनुमान है. इसके साथ ही दक्षिण बंगाल, ओडिशा, बिहार, झारखंड, तटीय आंध्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में अगले कुछ दिनों में बारिश होने के आसार हैं. IMD के अनुसार महाराष्ट्र के कई हिस्सों में बुधवार को तेज बारिश हो सकती है, इसके लिए आइएमडी ने यलो अलर्ट जारी किया है.बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के मुताबिक मुंबई शहर में बुधवार सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक 32.5 मिमी बारिश हुई. इसके अलावा पूर्वी उपनगरों में 12.72 मिमी और पश्चिमी उपनगरों में 17.0 मिमी बारिश दर्ज की गई. आईएमडी, मुंबई में उप महानिदेशक केएस होसलीकर ने कहा कि पूवार्नुमान महाराष्ट्र में, विशेष रूप से उत्तरी कोंकण, उत्तरी मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और विदर्भ के कुछ हिस्सों में हल्की से भारी बारिश को दर्शाता है.

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह पर लगा 25 हजार रुपए का जुर्माना

चांदीवाल कमेटी के सामने नहीं हुए थे पेश

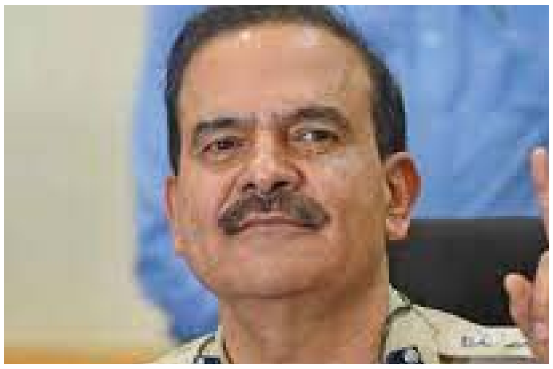

मुंबईः के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है. वसूली केस में जांच कर रही एक सदस्यीय जांच टीम के प्रमुख और बॉम्बे हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस कैलास उत्तमचंद चांदीवाल ने परमबीर सिंह पर ये जुर्माना लगाया है. उन पर आरोप है कि कई बार बुलाने के बावजूद वे कमेटी के सामने पेश नहीं हुए थे. जांच कमेटी ने परमबीर को एक आखिरी मौका देते हुए तय समय पर उनके सामने पेश होने को कहा है, नहीं तो उन पर और भी कड़ी कार्रवाई की जा सकती है. परमबीर को भेजे गए नए समन में कहा गया है कि वे अगले तीन दिन में कोविड-19 के लिए बने मुख्यमंत्री राहत कोष में 25 हजार रुपए जमा करवाएं. समन में साफ कर दिया गया है कि उनके पेश नहीं होने से जांच को नहीं रोका जाएगा, अब कमेटी ने परमबीर को 25 अगस्त को उनके सामने पेश होने को कहा है. राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ परमबीर सिंह द्वारा लगाए गए 100 करोड़ की वसूली के आरोपों की न्यायिक जांच करने के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा एक सदस्यीय जांच समिति का गठन 30 मार्च को किया गया था. इसी मामले में तीन मई को जारी एक अधिसूचना में राज्य सरकार ने जांच समिति को सिविल कोर्ट की शक्तियां प्रदान की हैं. परमबीर सिंह की तरफ से उनके वकील संजय जैन और अनुकुल सेठ ने बुधवार को समिति को बताया था कि भेजे गए समन को बॉम्बे उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती दी गई है. इस मामले की अगली सुनवाई 23 अगस्त को होनी है, इसलिए सुनवाई पूरी होने तक परमबीर की पेशी को टाल देना चाहिए. समिति की ओर से पेश वकील शिशिर हिरे ने बताया कि परमबीर सिंह की याचिका के अलावा, मुंबई के एक वकील इशांत श्रीवास्तव ने समिति के गठन को चुनौती देते हुए .

NCB की रडार पर है सबसे बड़ा ड्रग तस्कर मूसा, कोलंबियन कार्टेल से हैं संबंध

वाशी के जंगल से चलाता है रैकेट

मुंबईः नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के रडार पर आजकल मुंबई का सबसे बड़ा ड्रग माफिया मूसा है. मूसा एक अफ्रीकी नागरिक है जिसके तार दुनिया के सबसे क्रूर कोलंबिया के कार्टेल से जुड़े बताए जाते हैं. जांच में ऐसे सबूत भी मिले हैं कि बॉलीवुड सेलिब्रिटीज को ड्रग सप्लाई करने के पीछे भी मूसा का ही नेटवर्क है. एक अनुमान के मुताबिक मूसा अपने ड्रग के धंधे से हर दिन करीब 2 करोड़ रुपए की कमाई करता है. उसे मुंबई का सबसे बड़ा ड्रग सप्लायर माना जाता है और उसके संबंध कई बड़े-बड़े लोगों से भी बताए जाते हैं. मिली जानकारी के मुताबिक ठउइ ने बीते हफ्ते मूसा को गिरफ्तार करने के लिए रेड मारी थी लेकिन वो भागने में कामयाब रहा. ठउइ सूत्रों के मुताबिक मूसा की एक सुरक्षा टीम है. उसके साथ बंदूक और तलवारों से लैस बॉडीगार्ड्स भी होते हैं. मूसा अपना पूरा काला कारोबार मानखुर्द और वाशी के बीच एक जंगल के इलाके से चलाता है. मूसा और उसके लोग इस इलाके से पूरी तरह वाकिफ हैं लेकिन पुलिस और अन्य एजेंसियों के लोगों के लिए जंगल के आसपास दलदल होने के चलते यहां तक पहुंचना आसान नहीं है. बीते हफ्ते ठउइ ने जो छापा मारा था.

शिवसेना ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी पर फिर साधा निशाना

मुंबईः शिवसेना के मुखपत्र सामना के संपादकीय में फिर राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को घेरने की कोशिश की गई है। सामना ने विधान परिषद के लिए 12 सदस्यों की नियुक्ति न किए जाने पर राज्यपाल पर अनेक व्यंग्यात्मक टिप्पणियां की हैं। सामना के कार्यकारी संपादक शिवसेना प्रवक्ता व राज्यसभा सदस्य संजय राउत हैं।

बुधवार को प्रकाशित सामना के संपादकीय में लिखा गया है कि सरकार द्वारा बारह नामों की सिफारिश किए जाने को अब आठवां महीना लग गया है। राज्यपाल के निर्णय का पालना निश्चित तौर पर कौन से महीने में हिलने वाला है? यह राजभवन की दाई को एक बार स्पष्ट करना चाहिए। सामना ने इस प्रकरण के लिए राज्यपाल कोश्यारी के साथ-साथ भाजपा को भी जिम्मेदार ठहराते हुए लिखा है कि महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी सर्वत्र उपहास का विषय बन गए हैं। पद का इतना अवमूल्यन व पतन राज्यपाल साहब ने कर दिया है। राजभवन की घटनाओं से अब जनता व सरकार को भी कुछ फर्क नहीं पड़ता। राज्यपाल के अधोपतन के लिए जितना वे खुद जिम्मेदार हैं, उससे ज्यादा राज्य का उनका पितृपक्ष भाजपा जिम्मेदार है।गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले ही मुंबई उच्च न्यायालय ने भी अपने एक फैसले में कहा है कि निर्णय लेने के लिए आठ महीने लगाना थोड़ा ज्यादा ही हो गया है। संपादकीय के जरिए सवाल किया गया है कि राज्यपाल से मांग करनी है तो निश्चित तौर पर क्या किया जाए? उनके राजभवन में एकत्रित होकर तालियां, थालियां, घंटा बजाकर राज्यपाल का ध्यान इस प्रश्न की ओर आकर्षित किया जाए या और कुछ किया जाए? संपादकीय में यह आरोप भी लगाया गया है कि राज्यपाल ये नियुक्तियां तब तक नहीं करना चाहते,

महाराष्ट्र में डेल्टा प्लस वैरिएंट ने बढ़ायी टेंशन, 10 नए मामलों की पुष्टि; 76 तक पहुंचा आंकड़ा

मुंबईः महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में कोरोनावायरस के डेल्टा प्लस वैरिएंट के दस नए मामले सामने आये हैं, जिसके बाद राज्य में डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 76 तक पहुंच गई है। एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार अब तक 10 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। हाल ही में पुष्टि किए गए 10 डेल्टा प्लस मामलों में से छह कोल्हापुर से, तीन रत्नागिरी से और एक सिंधुदुर्ग से है।

आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में अब तक पाए गए कुल 76 डेल्टा प्लस रोगियों में से 15 रत्नागिरी से, 13 जलगांव से, 11 मुंबई से, कोल्हापुर से सात, ठाणे और पुणे से छह-छह, रायगढ़ और पालघर से तीन-तीन, दो-दो हैं और नांदेड़, गोंदिया और सिंधुदुर्ग से, और चंद्रपुर, अकोला, सांगली, नंदुरबार, औरंगाबाद और बीड से एक-एक मरीज की पुष्टि हुई है।

ईडी के सामने पेश नहीं हुए अनिल देशमुख, कहा- सुप्रीम कोर्ट के आदेश का है इंतजार

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के वकील इंद्रपाल सिंह ने कहा हमने ईडी को सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई होने तक इंतजार करने के लिए कहा है। हमने अपने पत्र में ईडी से कहा है कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के बाद उनके सामने पेश होंगे। हम जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश होना था। इसके लिए ईडी ने मंगलवार को पांचवा समन जारी किया था। बता दें कि मनी लॉड्रिंग मामले में छापे के बाद से ही अनिल देशमुख सामने नहीं आ रहे हैं। उच्चतम न्यायालय द्वारा 71 वर्षीय राकांपा नेता को संघीय एजेंसी की किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से अंतरिम संरक्षण देने से इनकार करने के एक दिन पश्चात यह घटनाक्रम सामने आया है। सूत्रों के अनुसार अनिल देशमुख को 18 अगस्त को दक्षिण मुंबई स्थित ईडी कार्यालय में मामले के जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया था। देशमुख को इस तरह का यह पांचवां समन जारी किया गया था। यह नोटिस धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत जारी किया गया है क्योंकि एजेंसी इस मामले में उनका बयान दर्ज करना चाहती है। गौरतलब है कि अनिल देशमुख ने ईडी की कार्रवाई को अनुचित बताया था और पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हुए थे। इस मामले में उनके उनके पुत्र हृषिकेश और पत्नी को भी बुलाया गया था लेकिन वह भी अनुपस्थित रहे थे। देशमुख ने पिछले महीने एक वीडियो बयान जारी कर कहा था कि वह अपनी याचिका पर शीर्ष अदालत के फैसले के बाद ही वह ईडी के समक्ष पेश होंगे। इस मामले में अनिल देशमुख ने कहा था कि मुझे ईडी का समन मिला था जिसके बाद मैंने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। मैं अपनी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अपना बयान दर्ज कराने के लिए ईडी के समक्ष जाऊंगा।

महाविकास अघाड़ी को नहीं भा रहीं भाजपा की जन आशीर्वाद यात्राएं, संजय राउत बोले-कोरोना की तीसरी लहर को न्योता दे रहे हैं

मुंबई। केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने के लिए निकाली जा रही जन आशीर्वाद यात्राएं महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महाविकास अघाड़ी को रास नहीं आ रही हैं। कांग्रेस महंगाई का मुद्दा उठाते हुए इन यात्राओं का विरोध कर रही है, तो शिवसेना नेता संजय राउत ने इन यात्राओं को कोरोना की तीसरी लहर को आमंत्रण देने वाला करार दिया है। भारतीय जनता पार्टी देश के 22 राज्यों में जन आशीर्वाद यात्राओं का आयोजन कर रही है। इन यात्राओं की जिम्मेदारी हाल ही में मोदी कैबिनेट में शामिल किए गए नए मंत्रियों को दी गई है। महाराष्ट्र से मोदी मंत्रिमंडल में शामिल हुए चार मंत्री भी राज्य के अलग-अलग हिस्सों में जन आशीर्वाद यात्राएं निकालकर लोगों को केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं। इनमें गुरुवार से शुरू होने जा रही वरिष्ठ नेता नारायण राणे की यात्रा विशेष तौर पर लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। महाराष्ट्र में इन यात्राओं

का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है, क्योंकि कुछ ही महीनों बाद राज्य में कई स्थानों पर स्थानीय निकायों के चुनाव होने हैं। जिन पर इन यात्राओं का असर दिखाई देगा। इसलिए महाराष्ट्र में शासन कर रही महाविकास अघाड़ी के दलों को ये यात्राएं फूटी आंखों भी नहीं सुहा रही हैं। सोमवार को केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल की ठाणे में निकली जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान कोरोना नियमों के उल्लंघन को लेकर पुलिस ने चार लोगों के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है। बुधवार को इस कार्रवाई को उचित बताते हुए शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि यात्रा में बिना मास्क के लोगों की भीड़ जुटना और कोरोना नियमों का उल्लंघन करना कोरोना की तीसरी लहर को आमंत्रण देने जैसा है। लिहाजा पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई जायज है। वहीं, महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने भी महंगाई का मुद्दा उठाते हुए इन यात्राओं को निकालने पर सवाल खड़ा किया है। वह कहते हैं कि जब किसान परेशान हैं, ईंधन व अन्य जरूरी वस्तुओं के दाम बढ़ रहे हैं, उस समय केंद्रीय मंत्री जन आशीर्वाद यात्राएं करने में व्यस्त हैं। पटोले के अनुसार, लोग समझ चुके हैं कि भाजपा ने उन्हें धोखा दिया है। अब वे भाजपा को आशीर्वाद नहीं देंगे। बल्कि जनता ने उन्हें घर भेजने का निश्चय कर लिया है।

गुरुवार से शुरू हो रही नारायण राणे की जन आशीर्वाद यात्रा कुछ और कारणों से भी चर्चा में है। राणे अपनी यात्रा मुंबई के शिवाजी पार्क स्थित स्वर्गीय बाला साहब ठाकरे के स्मृति स्थल से शुरू करने जा रहे हैं। यह यात्रा मुंबई के उन्हीं इलाकों से गुजरेगी, जहां शिवसेना का प्रभाव ज्यादा माना जाता है, लेकिन राणे की बाला साहब ठाकरे के स्मृति स्थल जाने की योजना शिवसेना को रास नहीं आ रही है। शिवसेना नेता उन्हें शिवसेना प्रमुख से गद्दारी करने वाले नेता के रूप में प्रचारित कर उनके स्मृति स्थल जाने का विरोध कर रहे हैं। राणे के मुंबई से यात्रा शुरू करने के पीछे 2022 में होने वाले मुंबई महानगरपालिका चुनाव को विशेष कारण माना जा रहा है। राणे खुद कोंकण क्षेत्र से आते हैं, और मुंबई में बहुत बड़ी संख्या कोंकणी मराठियों की है। इस वर्ग पर राणे के जरिए

संपादकीय

संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला

तालिबानी आफत

अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद भारत को न केवल सतर्क हो जाना चाहिए बल्कि उन आशंकाओं के निदान में जुट जाना चाहिए जिनके तहत यह माना जा रहा है कि पाकिस्तान इस आतंकी समूह का इस्तेमाल भारतीय हितों के खिलाफ कर सकता है। अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा न केवल इस देश, बल्कि पूरी दुनिया के लिए खतरे की घंटी है। अपनी हैवानियत के लिए कुख्यात तालिबान आनन-फानन अफगानिस्तान पर इसीलिए काबिज हो गए, क्योंकि एक तो अमेरिका ने अफगान सरकार को उसके हाल पर छोड़ दिया और दूसरे, अफगानिस्तान की सेना नाकारा साबित हुई। यह हैरान करता है कि तीन लाख की अफगानिस्तानी सेना ने करीब 80 हजार तालिबान जिहादियों के सामने घुटने टेक दिए। उसके शर्मनाक समर्पण ने यही बताया कि अमेरिकी प्रशासन के इन दावों में कोई दम नहीं था कि अफगान सेना अच्छी तरह प्रशिक्षित है और वह तालिबान का सामना करने में सक्षम है। चूंकि ज्यादातर जगहों पर इस सेना ने बिना लड़े हथियार डाल दिए इसलिए तालिबान देखते ही देखते काबुल में आ धमके। तालिबान के काबुल में घुसते ही अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी और उनके साथी जिस तरह देश छोड़कर भाग गए, उससे यही पता चला कि वे हालात का सामना करने के लिए तनिक भी तैयार नहीं थे। संकट के समय चुपचाप देश से भागने वाले अशरफ गनी ने अपनी बची-खुची प्रतिष्ठा ही गंवाई। ऐसा लगता है कि वह और उनके साथियों की दिलचस्पी सत्ता की मलाई चखने में अधिक थी और इसीलिए वह अपनी सरकार और सेना में फैले उस भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगा सके, जिसने उन्हें खोखला कर दिया था। यदि अशरफ गनी का शासन-प्रशासन खोखला नहीं होता तो उसने इस तरह मैदान नहीं छोड़ा होता। अब अफगानिस्तान का भविष्य तालिबान के हाथों में है, लेकिन वह बहुत भयावह नजर आ रहा है। तालिबान को समर्थन एवं संरक्षण देने वाले पाकिस्तान और उसके आका चीन को छोड़ दें तो सारी दुनिया यही मान रही है कि अब अफगानिस्तान मध्ययुगीन बर्बरता का शिकार बनेगा। भले ही तालिबान यह जताने की कोशिश कर रहा हो कि वह सुधर गया है, लेकिन इसके कहीं कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं।

खौफ पैदा करने वाली तालिबानी सोच

बात बहुत पुरानी है जब भारतीय शासक अफगानिस्तान में शासन करते थे। ऐसे अंतिम शासक थे महाराजा रणजीत सिंह, लेकिन यह बात ज्यादा पुरानी नहीं, जब अफगानिस्तान एक आम एशियाई देश था, जहां लड़कियां पश्चिमी परिधानों में स्कूल-कालेज जाती थीं और भारतीय फिल्मकार अपनी फिल्मों की शूटिंग करने वहां जाते थे। शायद अफगानिस्तान में शूट होने वाली आखिरी हिंदी फिल्म थी-खुदा गवाह। अब इस सबकी कल्पना भी नहीं की जा सकती, क्योंकि वे तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता में काबिज हो गए हैं, जो सदियों पुरानी कबीलाई मानसिकता में जी रहे हैं और जिन्होंने काबुल में कब्जा जमाते ही शरिया लागू करने के इरादे जाहिर कर दिए हैं। इसके तहत लड़कियों को स्कूल जाने और महिलाओं को अकेले घर से बाहर निकलने की मनाही होगी। अब वे किसी दफ्तर में काम करने की सोच भी नहीं सकतीं। जो कामकाजी महिलाएं थीं, वे घरों में दुबक गई हैं और टीवी चैनलों ने अपनी महिला एंकरों को या तो हटा लिया है या बुर्का पहनकर काम करने को कहा है। फिलहाल काबुल में मौजूद विदेशी टीवी चैनलों की महिला संवाददाताओं ने भी बुकार्नुमा परिधान धारण कर लिया है। सार्वजनिक स्थलों में जिन होर्डिंग में महिलाएं दिख रही थीं उन्हें या तो हटाया जा रहा है या फिर उन पर कालिख अथवा सफेदी पोती जा रही है। यह सब तब हो रहा है, जब तालिबान कह रहा है कि महिलाओं को सरकार में शामिल किया जाएगा तालिबान नेताओं की बातों पर भरोसा न होने के कारण ही लोगों में अफगानिस्तान छोड़ने की होड़ लगी है। अफगान नागरिकों को तालिबान के शासन वाले अफगानिस्तान में अपना कोई भविष्य नहीं दिख रहा है। महिलाएं कुछ ज्यादा ही दहशतजदा हैं, क्योंकि वे अच्छी तरह जानती हैं कि उनकी आजादी पर कट्टरता का कठोर पहरा बैठने वाला है और उनकी जिंदगी गुलामों जैसी होने वाली है। तालिबानी मध्ययुग की बर्बर सोच वाले लोग हैं। भले ही काबुल हवाईअड्डे के भयावह हालात यह प्रकट करते हों कि हजारों हजार अफगानी देश छोड़ने के लिए तत्पर हैं, लेकिन अफगानिस्तान में तमाम लोग ऐसे भी हैं, जो तालिबान के समर्थक हैं। तालिबान केवल इसलिए आसानी से अफगानिस्तान में काबिज नहीं हो गए, क्योंकि अमेरिका ने अपनी सेनाओं को आनन-फानन वापस बुलाने का फैसला कर लिया और अफगान सेना बहुत पिलपिली निकली। तालिबान की राह इसलिए भी आसान हो गई, क्योंकि अफगान जनता का एक वर्ग ऐसा है, जो तालिबानी सोच वाला है और जिसे शरिया में कोई बुराई नहीं नजर आती। अमेरिकी संस्था प्यू के एक सर्वेक्षण के अनुसार अफगानिस्तान के 90 प्रतिशत से अधिक लोग शरिया के पक्षधर हैं। ऐसी ही सोच वाले लोग पाकिस्तान में भी हैं। पाकिस्तान किस तरह तालिबान के लौट आने से गदगद है, इसका उदाहरण है पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान का बयान। तालिबान खान की उपाधि पा चुके इमरान खान का कहना है कि तालिबान ने काबुल में काबिज होकर अफगानिस्तान को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराया है। अफगानिस्तान का भविष्य क्या होगा, पता नहीं, लेकिन तालिबान के काबुल में कब्जा कर लेने के बाद पाकिस्तान में जश्न का सा माहौल है। सरकार और सेना के साथ पाकिस्तान के तमाम लोग खुश हैं। उन्हें भी इमरान खान की तरह लगता है कि तालिबान के अफगानिस्तान में काबिज हो जाने में कुछ भी गलत नहीं। उन्हें अपने यहां न सही, अफगानिस्तान में शरिया लागू होती दिख रही है और यह उनके लिए खुशी की बात है। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे पर खुश होने वाले लोग दुनिया के और देशों में भी हैं। दुर्भाग्य से ऐसे लोग भारत में भी हैं। इंटरनेट मीडिया पर ऐसे कई भारतीय मिल जाएंगे, जो तालिबान की तारीफ कर रहे हैं और उन्हें अफगानिस्तान की सत्ता का वैध दावेदार बता रहे हैं। एक वायरल चैट में जब एक तालिबान प्रेमी उत्साहित होकर यह खुशखबरी सुनाता है कि राष्ट्रपति अशरफ गनी इस्तीफा देकर अफगानिस्तान से चले गए हैं तो अन्य लोग-अलहमदुल्ला-कहकर खुशी जताते हैं। वे अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे को आजादी की जंग की जीत के तौर पर रेखांकित करते हैं। ये सब अनाम-गुमनाम लोग नहीं। इनमें तथाकथित एक्टिविस्ट, पत्रकार और नेता भी हैं। संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद शफीकुर रहमान बर्क ने अफगानिस्तान पर तालिबानी कब्जे को सही ठहराते हुए

घर-संसार

इस्लाम में मुहर्रम से नया साल देता है दस्तक, दोस्तों व रिश्तेदारों से इन संदेशों के साथ दें बधाई

इस्लाम में मुहर्रम महीने का विशेष महत्व है। साल 2021 में मुहर्रम पर्व 19 अगस्त को मनाया जाएगा। ईराक में कर्बला की लड़ाई में इमाम हुसैन को 680 ईस्वी में खलीफा यजीद की सेना ने मार दिया था। इमाम हुसैन की मौत के बाद इस्लाम दो प्रमुख वर्गों में विभाजित हो गया, जिसमें एक वर्ग सुन्नियों का रहा तो दूसरा वर्ग शियाओं का। मुहर्रम माह के 10वें दिन को आशूरा के दिन के रूप में जाना जाता है। इस दिन हजरत इमाम हुसैन की याद में मुस्लिम मातम मनाते हैं। ऐसा माना जाता है कि मोहर्रम के दिन ही इस्लाम की रक्षा के लिए हजरत इमाम हुसैन ने अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। यदि आप भी मुहर्रम पर्व पर अपने दोस्तों, रिश्तेदारों व करीबियों को शुभकामना संदेश व मैसेज या बधाई देना चाहते हैं तो इन संदेशों को इस्तेमाल कर सकते हैं - मुहर्रम के शुभ दिन, अल्लाह आपको स्वास्थ्य, धन, शांति और खुशी प्रदान करेआप और आपके परिवार को शांति खुशी और सभी की प्रचुरता से भर एक नया साल की शुभकामनाएं कर्बला को कर्बला के शहंशाह पर नाज हैउस नवासे पर मुहम्मद को नाज हैयूं तो लाखों सिर झुके सजदे में लेकिन हुसैन ने वो सजदा किया, जिस पर खुदा को नाज है फिर आज हक के लिए जान फिदा करे कोई वफा भी झूम उठे यूं वफा करे कोई नमा 1400 सालों से इंतजार में है हुसैन की तरह मुझे फिर अदा करे कोई क्या जलवा कर्बला में दिखाया हुसैन ने इस साल कब पड़ रहा है .

विधानसभा में CM योगी आदित्यनाथ बोले-जो अयोध्या की तरफ झांकते भी नहीं थे, अब कहने लगे राम-राम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र में बुधवार को प्रदेश सरकार के अनुपूरक बजट पेश करने के बाद गुरुवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलने के साथ ही सरकार के कामकाज पर प्रकाश डाला। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन में लोक कल्याण संकल्प पत्र को ध्यान में रखकर विगत फरवरी माह में वर्ष 2021-22 का बजट प्रस्तुत किया गया। इस कोरोना काल में जीवन व जीविका को बचाने के लिए प्रारंभ हुए प्रयासों को देखते मानसून सत्र में पुनः हमें अनुपूरक बजट के साथ आना पड़ा। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास हमारा भाव व दर्शन है। यह हमारे जीवन का एक हिस्सा है, जो हमारी कार्य पद्धति में पग-पग पर झलकेगा। आदरणीय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हम सभी नए विचारों, नए संकल्पों व सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहे हैंमुख्यमंत्री ने इस दौरान विपक्ष पर तीखा हमला भी बोला। उन्होंने कहा कि पहले यह लोग अयोध्या में झांकते भी नहीं थे। अब हर व्यक्ति कहता फिर रहा है कि राम हमारे हैं। आज हर व्यक्ति कह रहा राम-राम। आज लोग कहते हैं हम राम-कष्ण के भक्त हैं। 2013 से पहले लोग कहते थे कि हम कंस की मूर्तियां लगाएंगे, हमने उनकी मानसिकता बदली। पहले राम, कृष्ण शंकर सब उनके लिए सांप्रदायिक थे, अब समाज के कारण सब भक्त बन गए हैं। ब्रज क्षेत्र में जो लोग कंस की प्रतिमा लगाने का दावा कर रहे थे, जिनके लिए राम कृष्ण साम्प्रदायिक होते थे, अब दण्डवत होकर कह रहे हम भी भक्त हैं। हालात यह है कि आज सबकी टोपियां उतर गईं हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब प्रदेश की जीएसटी 21 लाख करोड़ पहुंची है। हमारी बड़ी सोच के साथ बजट का दायरा बढ़ा है। हमने तो कोरोना संकट में जीवन-जीविका बचाई तो विपक्ष को यह भी बुरा लग रहा है।उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में कोविड के लिए चार लाख टेस्ट प्रतिदिन करने की क्षमता विकसित कर ली है। अब तक सात करोड़ टेस्ट उत्तर प्रदेश में किए जा चुके हैं। यह पहली महामारी है जिसमें एक भी गरीब भूखा नहीं मरा। हमें महामारी को तो स्वीकार करना होगा नहीं तो बीमारी के उपचार के लिए और बीमारी से बचाव के लिए कोई अभियान आगे नहीं बढ़ पाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि व्यवसाय की सुगमता क्या होनी चाहिए इसपर हमने व्यापक संशोधन किए, नीतियां बनाई जिसके परिणाम सामने हैं। अगर दुनिया में भारत निवेश का सबसे अच्छा देश है, तो देश में उत्तर प्रदेश सबसे अच्छा गंतव्य है। इज ऑफ डूइंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश 16वें स्थान से दूसरे स्थान पर आया है। पांच वर्ष पहले प्रदेश की ग्रास स्टेट डोमेस्टिक प्रोडेक्ट (जीएसडीपी) 10-11 लाख करोड़ के आसपास थी आज हम इसे 20-21 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने में सफल हुए हैं। 2015-16 में उत्तर प्रदेश देश अर्थव्यवस्था में छह नंबर पर था। उत्तर प्रदेश आज तो नंबर 2 की अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 5 वर्ष के दौरान प्रदेश में बजट का दायरा लगभग दोगुना हुआ। आज हम लगभग 6 लाख करोड़ रुपये तक बजट के दायरे को पहुंचाने में सफल रहे हैं। बड़ी सोच, बड़े कार्य तो बजट का दायरा भी बड़ा होगा।कुछ लोग महिला कल्याण की बात करते हैं पर एक अपराधी माफिया को अपने राज्य में शरण दे रहे थे।

वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद स्थित श्रृंगार गौर के दर्शन-पूजन की अनुमति के लिए कोर्ट पहुंची पांच महिलाएं

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद परिसर स्थित मां श्रृंगार गौरी की प्रतिदिन पूजा अर्चना करने व परिसर स्थित अन्य देवी- देवताओं के विग्रहों को सुरक्षित रखने की मांग करते हुए सिविल जज (सीनियर डिवीजन) रवि कुमार दिवाकर की अदालत में वाद दायर किया गया है। बुधवार को अदालत ने इस वाद को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया। वादी पक्ष की अपील पर मौके की स्थिति जानने के लिए वकील कमिश्नर नियुक्त करने का भी आदेश दिया है।अदालत ने इसके साथ ही विपक्षियों को नोटिस जारी करने तथा अगली सुनवाई के लिए 24 सितंबर की तिथि नियत की है। अदालत में यह वाद नई दिल्ली निवासिनी राखी सिंह,लक्ष्मी देवी,सीता शाहू,मंजू व्यास व रेखा पाठक की तरफ से दाखिल किया गया है। इन पक्षकारों ने मौके पर यथास्थिति बरकरार रखने की भी अदालत से मांग की है। वाद में प्रदेश सरकार के अलावा जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त, अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी और काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट को पक्षकार बनाया गया है।वाद में कहा गया है कि भक्तों को मां श्रृंगार गौरी का दैनिक दर्शन-पूजन एवं अन्य अनुष्ठान करने के साथ ही परिसर में स्थित भगवान गणेश,हनुमान,नंदी एवं अन्य देवताओं के विग्रहों को सुरक्षित रखा जाए। इन्हें क्षति पहुंचाने से प्रतिवादियों को रोका जाए।वाद मे कहा गया है कि धार्मिक ग्रंथों के अनुसार काशी हिंदुओं के लिए एक पवित्र और धार्मिक क्षेत्र है। मूर्तिपूजकों के प्रति घृणा रखने वाले मुस्लिम आक्रमणकारियों ने हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाया। बाद में उसी स्थानों पर मंदिरों का जीर्णोद्धार किया गया। मुगल शासक औरंगजेब के कार्यकाल में काशी और मथुरा में मौजूद मंदिरों को ध्वस्त किया गया।यही नहीं आदिविश्वेर मंदिर के एक हिस्से पर ढांचा बना लिया गया जिसे मस्जिद कहते हैं। ज्ञानवापी परिसर में स्थित कथित मस्जिद की पश्चिम दीवार के पीछे प्राचीन काल से मौजूद देवी मां श्रृंगार गौरी की छवि है।

जातिगत जनगणना को लेकर 23 अगस्त को PM मोदी व CM नीतीश की होगी मुलाकात, तेजस्वी भी रहेंगे साथ

पटनाः जातिगत जनगणना को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्टैंड राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के मुख्य दल भारतीय जनता पार्टी से अलग है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जातिगत जनगणना के पक्ष में हैं तो बीजेपी इसके खिलाफ है। इस मुद्दे पर नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री मोदी को बीजे चार अगस्त को पत्र लिखकर मुलाकात के लिए वक्त मांगा था। प्रधानमंत्री ने इस मुलाकात के लिए 23 अगस्त का समय दिया है। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री से मुख्यमंत्री की इस मुलाकात में बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी रहेंगे। इस मामले में अब बिहार में सियासत गरमा गई हैमुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अनुसार जातिगत जनगणना को लेकर उनके पत्र के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 अगस्त को दिल्ली में बातचीत का समय दिया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री के ट्वीट के अनुसार उन्होंने जातिगत जनगणना को लेकर बिहार के प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रधानमंत्री से मिलने का समय मांगा था।

अमेरिकी जहर से कहीं ज्यादा खतरनाक है -ओशो

ओशो रजनीश का जन्म 11 दिसम्बर, 1931 को कुचवाड़ा गांव, बरेली तहसील, जिला रायसेन, राज्य मध्यप्रदेश में हुआ था। उन्हें जबलपुर में 21 वर्ष की आयु में 21 मार्च 1953 मौलश्री वृक्ष के नीचे संबोधि की प्राप्ति हुई। 19 जनवरी 1990 को पूना स्थित अपने आश्रम में सायं 5 बजे के लगभग अपनी देह त्याग दी। उनका जन्म नाम चंद्रमोहन जैन था। आओ जानते हैं उनके पिछले जन्म की 3 खास बातें। ओशो ने कहा था, मेरे बारे में जितनी गालियां निकलती है, उतनी शायद ही किसी के बारे में निकलती होगी, लेकिन मेरा कार्य है कि धर्म और राष्ट्र के झूठ को, पाखंड को उजागर करना तो वह मैं करता रहूंगा।...मुझे भारत में समझा जाने लगेगा लेकिन थोड़ी देर से। यदि आज भी सूली देना प्रचलन में होता तो निश्चित ही ओशो को सूली पर लटका दिया जाता लेकिन अमेरिका ऐसा नहीं कर सकता था इसलिए उसने ओशो को थैलियम का एक इंजेक्शन लगाया, जिसकी वजह से 19 जनवरी, 1990 में ओशो ने देह छोड़ दी। अमेरिकी और भारतीय लेखकों की पुस्तकों में लिखे तथ्य और तर्क बताते हैं कि अमेरिका में रोनाल्ड रीगन के काल में 12 दिनों तक ओशो को यातना दिए जाने के दौरान थेलिसियम जहर दिया गया था, जिसके कारण वे समय पूर्व ही शरीर छोड़कर अशरीरी हो गए।

दूध वाली चाय, मसाला चाय, ब्लैक टी या ग्रीन टीः सेहत के लिए कौन सी चाय है बेस्ट

लगभग सभी के घरों में दिन की शुरूआत कप चाय से होती है। पानी के बाद चाय भारतीय घरों में पीने जाने वाला सबसे आम पेय है। चाय की लोकप्रियता भारत में काफी ज्यादा है। कई लोग चाय के इतने ज्यादा शौकीन होते हैं कि वह दिन 4 से 5 कप चाय पी जाते हैं। भारत में चाय कई तरीकों से बनाया जाता है। यह भारतीय डिशेज का एक अभिन्न अंग है। डायटीशियन स्वाती बाथवाल बताती हैं कि चाय का शौकीन होना कोई गलत नहीं है। लेकिन इसके गुणों का अधिक लाभ उठाने के लिए चाय को सही तरीके से पीना जरूरी होता है। आज हम आपको इस लेख में चाय को पीने का तरीका और कौन सी चाय स्वास्थ्य के लिए बेहतर हो सकती है, इसके बारे में विस्तृत रूप से चर्चा करेंगे। चलिए जानते हैं इस बारे में-डायटीशियन स्वाती बाथवाल बताती हैं कि दिन में 1 कप चाय पीने से 1 घंटे के अंदर 10 कैलोरी बर्न होती है। अगर आप 24 घंटे में 4 कप चाय और आधा घंटा वॉक करते हैं, तो इससे आपका 1 ग्राम एक्स्ट्रा फैट बर्न हो सकता है। वहीं, अगर आप पूरे दिन में 3 कप चाय पीते हैं, तो इससे आपका पूरे दिन में 80 कैलोरी बर्न होता है। स्वाती बाथवाल का कहना है कि चाय पीने से आपके शरीर में कैलोरी एड नहीं होती है। बल्कि चाय में नेगेटिव कैलोरीज होती है। लगभग हर एक कप चाय से हम 25 कैलोरी बर्न कर सकते हैं। यह सभी तरह के चाय ब्लैक टी, व्हाइट टी और ग्रीन टी पर लागू होता है। हालांकि, इसमें मसाटा टी को शामिल नहीं किया जा सकता है। स्वाती बाथवाल बताती हैं कि दिन में 3 से 6 कप ऊलोंग या ग्रीन टी पीने से मेटाबॉलिज्म रेट को बूस्ट किया जा सकता है। इससे आप पूरे दिन में करीब 100 कैलोरी बर्न कर सकते हैं। स्वाती बाथवाल बताती हैं कि अगर आप चाय में दूध को मिला देते हैं, तो यह चाय में मौजूद हेल्दी यौगिकों को कम कर देता है। दूध में कैसिइन की मौजूदगी चाय की चपाचय

क्रिया और कैलोरी बर्न की प्रक्रिया पर प्रभाव डालता है। स्वाती बाथवाल का कहना है कि कैसिइन चाय में मौजूद कैटेचिन को लपेटता है और चाय के कार्यों को अवरुद्ध करता है। ऐसे में आपके शरीर को चाय पीने का कोई लाभ नहीं मिलता है।

अर्शी खान को लोगों ने कहा पाकिस्तानी एक्ट्रेस ने कहा-जड़े अफगानी हैं और मैं सिर्फ हिंदुस्तानी हूं

बिग बॉस फेम अर्शी खान हमेशा ही सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं. अर्शी को उनके बेवाक अंदाज के लिए जाना जाता है. बिग बॉस के घर में अर्शी दो बार धमाल कर चुकी हैं. हाल ही में अर्शी तब सुर्खियों में आई थीं, जब एक्ट्रेस ने खुलासा किया था कि जन्म अफगानिस्तान में हुआ थी. अब अर्शी ने इस बयान पर पूरी बात सफाई के साथ पेश की है जूम की खबर के अनुसार अर्शी के अनुसार वह अफानिस्तान की हैं और उनका परिवार वहां से ही हिन्दुस्तान आकर बसा था. जब से अर्शी के खुद को अफगानी कहा है उनको अलग अलग तरीके से ट्रोल किया जा रहा है , ऐसे में अर्शी ने उन लोगों को जवाब दिया है जो उन्हें सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी कहकर बुलाते हैं.जानिए अर्शी खान ने ट्रोलर्स को क्या दिया है जवाब अर्शी ने जवाब देते हुए कहा है कि लोगों को लगता है कि मैं पाकिस्तान की नागरिक हूं. बहुत बार मैंने देखा है कि कुछ लोग मुझे बिना किसी कारण के मुझे मेरी नागरिकता को लेकर टारगेट करते हैं. ऐसे लोगों को लगता है कि मैं पाकिस्तानी हूं जो भारत में आकर रहने लगी है. ऐसा बोलने वाले लोगों के कारण से मेरे काम पर भी असर पड़ता है. इतना ही नहीं अर्शी ने आगे कहा कि ये सब बोला जाना मेरे जीवन का सबसे खराब अनुभव हैं. मैं सभी को साफ कर देना चाहती हूं कि मैं पूरी तरह से भारतीय हूं. मेरे पास भारत सरकार से जुड़े सभी

डॉक्यूमेंट्स भी मौजूद हैं.मैं पाकिस्तानी नहीं बल्कि भारतीय हूं. अर्शी के अनुसार वह अफगानी पठान हैं. उन्होंने साफ किया है कि युसुफ जहीर पठान ग्रुप से ताल्लुक रखती हूं. अर्शी ने खुलासा करते हुए कहा है कि उनके दादा अफगानिस्तान से भारत बसने आए थे और वह भोपाल में जेलर रहे थे.

भारतीय टीम का चयन करने में होगी मुश्किल

नई दिल्ली। के पूरे कार्यक्रम की घोषणा आइसीसी ने कर दी है और अब सभी टीमें का एलान भी जल्द हो जाएगा। न्यूजीलैंड के बाद आस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम का एलान कर दिया है। वहीं, भारतीय टीम के चयन में सबसे ज्यादा मुश्किल कप्तान विराट कोहली, कोच रवि शास्त्री और चयनकताओं को होने वाली है, क्योंकि कुछ ऐसे स्थान हैं, जिसके लिए कई खिलाड़ी दावेदार हैं। विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम पहली बार कोई टी20 विश्व कप खेलने उतरेगी। इस मेगा इवेंट के लिए 10 खिलाड़ियों को फाइनल फिफ्टीन में आटोमेटिक एंट्री मिल जाएगी, क्योंकि उन्होंने पिछले कुछ समय में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है और वे तीनों प्रारूप में नियमित रूप से खेल रहे हैं। हालांकि, पांच और खिलाड़ियों को फाइनल 15 में जगह देने के लिए कप्तान विराट कोहली, कोच रवि शास्त्री और चयनकताओं की समिति को माथापच्ची करनी होगी। आइसीसी के नियम के मुताबिक कि आप सिर्फ 15 खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के 8 सदस्यों के साथ मेगा इवेंट के लिए ट्रेवल कर सकते हैं, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी आइसीसी को उठानी है, उसके हिसाब से देखा जाए तो जो भारत को टीम चुननी होगी वो 15 सदस्यीय टीम होगी। अब बात करते हैं कि किन खिलाड़ियों को सीधे एंट्री मिलने वाली है, जबकि किन खिलाड़ियों को आखिरी पांच स्थानों के लिए रेस में माना जा रहा है।

दरअसल, टीम के कप्तान विराट कोहली, उपकप्तान रोहित शर्मा के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज रिषभ पंत, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, स्पिनर युजवेंद्र चहल, तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमराह का स्थान पक्का माना जा रहा है।

हालांकि, युजवेंद्रा चहल का प्रदर्शन भी सवालों के घेरे में रहा है। वे भले ही पहले स्पिनर के रूप में खेल रहे हैं, लेकिन उनकी फॉर्म उतनी अच्छी नहीं है।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में आर अश्विन को प्लेइंग में क्यों नहीं देना चाहिए मौका

नई दिल्ली । टीम इंडिया इस समय कमाल की लय में है और लार्ड्स टेस्ट मैच में भारत को शानदार जीत मिली थी। हालांकि भारतीय टीम पहला टेस्ट मैच भी जीतने के करीब थी, लेकिन बारिश की वजह से मैच में आखिरी दिन का खेल नहीं हो पाया और इंग्लैंड की टीम की जान बच गई। पिछले दो टेस्ट मैचों में भारतीय प्लेइंग इलेवन में आर अश्विन को मौका नहीं दिया जा रहा है। हालांकि टीम में बतौर स्पिन आल राउंडर रवींद्र जडेजा को दोनों मैचों में मौका दिया गया, लेकिन वो फीके-फीके ही रहे क्योंकि सारा काम टीम के तेज गेंदबाजों ने कर डाला।

टी20 वर्ल्ड कप 2021 में कौन सी टीम साबित होगी छुपा-रुस्तम और कौन है ग्रुप आफ डेथ, गौतम गंभीर ने बताया

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2021 के शेड्यूल का एलान आइसीसी द्वारा किया जा चुका है और इस बार सभी टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। इस वक्त ग्रुप ए में चार जबकि ग्रुप बी में भी इतनी ही टीमें है और दोनों ग्रुप में दो-दो टीमों को प्रवेश क्वालीफिकेशन राउंड के बाद दिया जाएगा यानी तब दोनों ग्रुप में छह-छह टीमें होंगी। इस समय ग्रुप ए में इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमें हैं जबकि ग्रुप बी में भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड की टीम है। टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज गौतम गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के शो गेम प्लान में बात करते हुए कहा कि, इस बार ग्रुप ए वास्तव में ग्रुप आफ डेथ है। इस ग्रुप की सभी टीमें जानदार हैं और टूर्नामेंट के पहले ही दिन से सबकुछ काफी रोमांचक होने वाला है। वेस्टइंडीज के पास जिस तरह के खिलाड़ी हैं उससे वो हमेशा से ही बहुत अप्रत्याशित रहा है और वो तीसरी बार भी जीत सकते हैं। इंग्लैंड की टीम में भी शानदार खिलाड़ियों के कमी नहीं है और पिछले कुछ साल से वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद उनके पास सफेद गेंद के क्रिकेट में निरंतर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया सचमुच रडार से बाहर हो गया है, शायद इसलिए कि बहुत सारे मुख्य खिलाड़ी गायब हैं, लेकिन फिर, मुझे लगता है कि वे उस विशेष दिन बहुत खतरनाक हो सकते हैं। गंभीर ने आगे कहा कि, इस बार टूर्नामेंट में अफगानिस्तान की टीम असली अंडरडाग साबित हो सकती है। आप अफगानिस्तान को हल्के में नहीं ले सकते हैं मेरा हमेशा से मानना रहा है कि अगर आप किसी एक टीम के बारे में बात करना चाहते हैं जो इस टूर्नामेंट में एक वास्तविक अंडरडाग बनने जा रही है, तो वह अफगानिस्तान होनी चाहिए। उनके पास राशिद खान, मुजीब और मोहम्मद नबी जैसे प्लेयर्स हैं

कोहली को जो रूट का विकेट जल्दी लेने के लिए इस भारतीय गेंदबाज से करवाना

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया को लार्ड्स टेस्ट मैच में जीत जरूर मिली, लेकिन इस मैच में जो रूट ने शानदार बल्लेबाजी की थी और ऐसा लग रहा था कि, कहीं वो भारत के हाथों से मैच खींच ना लें। पहली पारी में वो 180 रन बनाकर नाबाद रहे थे और अपनी टीम को मजूबत स्थिति में ला खड़ा किया था। वहीं दूसरी पारी में उन्होंने 33 रन बनाए थे। वहीं लार्ड्स टेस्ट से पहले नाटिंघम में भी उन्होंने 64 और 109 रन की पारी खेलकर टीम इंडिया को खासा परेशान किया था। अब टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैच और खेलने हैं और जाहिर है भारत के लिए जो रूट सबसे बड़ी मुसीबत बन सकते हैं। अब विराट कोहली की टीम को जो रूट नाम की इस मुसीबत से निपटने का लिए क्या करना चाहिए इसके बारे में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने बताया है। पनेसर का मानना है कि, रूट नाम की इस मुसीबत की दवाई

चाहिए हमला, बना चुके हैं 386 रन

टीम इंडिया के पास जसप्रीत बुमराह के नाम पर मौजूद हैं। जो रूट दो टेस्ट मैचों में अब तक भारत के खिलाफ 386 रन दो शतक की मदद से बना चुके हैं। जसप्रीत बुमराह उन्हें चार में से दो पारियों में आउट कर चुके हैं। पनेसर का मानना है कि, रूट के खिलाफ बुमराह भारत का सर्वश्रेष्ठ दांव हैं। पनेसर ने कहा कि भारत बुमराह के माध्यम से रूट पर जल्दी हमला कर सकता है और मोहम्मद सिराज एक और विकल्प है क्योंकि वह स्टंप पर हमला करते हैं। जो रूट आउट करने का तरीका पांचवीं स्टंप लाइन पर और ऑफ स्टंप के बाहर गेंदबाजी करना है। विराट ने दूसरी पारी में उनके विकेट की योजना बनाई थी .

मुंबई में BMC ने सभी ग्राउंड, गार्डन, सीफ्रंट और बीच खोलने की दी अनुमति

मुंबई: महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण के कम होते मामलों को देखते हुए सरकार लगातार अनलाकसे जुड़े फैसले ले रही है। सोमवार को बीएमसी ने ब्रेक द चेन मुहिम के तहत मुंबई के सभी मैदान, गार्डन और सी फेज, सी फ्रंट और बीच खोलने का अहम निर्णय लिया है। इन सभी स्थानों को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खोलने की अनुमति दे दी गई है। बता दें कि इससे पहले सरकार ने राज्य के रेस्तरां और दुकानों को रात 10 बजे तक खोलने का निर्देश दिया था। ये सभी स्थान सप्ताह के सातों दिन खुले रहेंगे। हालांकि, COVID-19 प्रोटोकॉल जैसे सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क का इस्तेमाल अनिवार्य होगा। बीएमसी ने अपनी अधिसूचना में चेतावनी दी है कि अगर COVID-19 प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया गया तो कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, चार महीने के अंतराल के बाद रविवार से कोविड-19 वैक्सीन की दोनों खुराक लेने वाले लोगों के लिए मुंबई लोकल ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू हो गईं हैं। आवश्यक सेवाओं के कर्मचारियों और सरकारी, अर्ध-सरकारी कर्मचारियों को कोविड टीकाकरण के बावजूद लोकल ट्रेनों से यात्रा करने की अनुमति दी गई है।गौरतलब है कि महाराष्ट्र में रविवार को कोरोना संक्रमण के 4,797 नए मामले सामने और 130 संक्रमितों की मौत दर्ज की गई। जबकि 3,710 लोग स्वस्थ हुए। राज्य में COVID-19 के 64,219 सक्रिय मामले हैं, जिसमें मुंबई से 3,096 मामले शामिल हैं। -सभी आवश्यक और गैर-जरूरी स्टैंडअलोन दुकानें सभी दिन रात 10 बजे तक खुली रहेंगी।

गैंगस्टर छोटा शकील के भाई अनवर के खिलाफ रंगदारी का मामला, केस दर्ज

मुंबई। गैंगस्टर छोटा शकील के भाई अनवर और दो अन्य के खिलाफ मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने रंगदारी के मामले में केस दर्ज किया है। अनवर ने जो इस समय भारत में नहीं है ने कथित तौर पर ओशिवारा में एक बिल्डर को फोन किया और उसे धमकी दी।क्राइम ब्रांच ने इस मामले में अनवर के अलावा दो अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान अरबाज शेख और राजू उर्फ कामरान के रूप में हुई है। रविवार को उन्हें 17 अगस्त तक के लिए रिमांड पर भेज दिया गया है। इस मामले में अभी आगे की जांच अभी जारी है।एंटी एक्सटॉर्शन सेल के एक अधिकारी ने कहा, ह्रओशिवारा में एक क्षेत्र 2016 से पुनर्विकास के अधीन है। शेख का दावा है कि उसके और उसके रिश्तेदारों के पास इलाके में छह घर हैं। हालांकि, उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसके पास केवल एक ही घर है, जिससे बिल्डर और शेख के बीच विवाद होता है। गौरतलब है कि परमबीर सिंह मामले की जांच कर रही एसआईटी को अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के दाहिने हाथ कहलाने वाले छोटा शकील का एक आडियो हाथ लगा है जिसमें वह एक बिल्डर को धमकी दे रहा है। मुंबई क्राइम ब्रांच के के अनुसार अनवर के खिलाफ इसी ऑडियो के सामने आने के बाद मामला दर्ज किया गया है, हालांकि इस केस के तार भी परमबीर वसूली कांड से जुड़ते दिख रहे हैं। ये आडियो साल 2016 का बताया जा रहा है। आडियो कॉल में छोटा शकील संजय पुनमिया नाम के बिल्डर को धमकी दे रहा है कि एक अन्य बिल्डर श्याम सुंदर अग्रवाल से समझौता कर ले।

RSS प्रमुख मोहन भागवत का बड़ा बयान- जब तक हम चीन पर निर्भर रहेंगे, तब तक उसके सामने झुकना होगा

मुंबई: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि अगर चीन पर निर्भरता बढ़ती है तो हमें उसके सामने झुकना होगा। इसलिए हमें आत्म-निर्भर बनाना होगा। एक देश जितना ही आत्मनिर्भर होगा उतना ही सुरक्षित होगा। 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यहां एक स्कूल में ध्वजारोहण के बाद भागवत ने कहा कि स्वदेशी का मतलब भारत की शर्तो पर कारोबार से है। उन्होंने कहा, हम इंटरनेट और तकनीक का भरपूर इस्तेमाल करते हैं। हमारे देश में मूल तकनीक नहीं है। यह बाहर से आई है।भागवत ने कहा, एक समाज के रूप में हम चीन के बारे में कितना भी चिल्लाएं और चीनी वस्तुओं का बहिष्कार करें, लेकिन आपके मोबाइल में जो कुछ भी है वह कहां से आता है?

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित। संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
T.C. NO. MAHHIN10172 ईमेल: newsicon2021@gmail.com newsicon.net